an>

Title: Need to take preventive measures to address the danger of flood in Kosi river in Bihar.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके आदेश को अक्षरशः पालन करूंगा।

मैं एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय आपके सामने उठाना चाहता हूं जिससे आप एवं सदन के सभी माननीय सदस्यगण अवगत हैं कि नेपाल के सिंधुपाल जनपद के एक गांव में भूस्खलन के कारण, वहां 25 लाख क्यूसेक पानी जमा होने से एक झील बन गयी है। उस मलबे के विस्फोट से बिहार के सात-आठ जिलों में वही स्थिति हो सकती है, जो वर्ष 2008 में हुई थी जिसमें लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हुए थे। वे आठ जिले - सुपौल, सहरसा, खगड़िया, पुर्णिया, मधुबनी, भागलपुर आदि हैं, जहां पर इतनी गंभीर परिस्थिति पैदा हो गयी है। भारत सरकार ने कई टीमों को वहां भेजा है, बिहार सरकार भी तैयारी कर रही है, लेकिन जानकारी में आया है कि अभी तक 44 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। कोसी के बन्धे और नदी के बीच में जो लोग हैं, जिनकी संख्या कम से कम ढाई लाख है, अगर उन लोगों को नहीं निकाला गया और नेपाल का पानी जिस क्षण बिहार में कोसी नदी में आएगा, तो उस त्रासदी की हम कल्पना करके सिहर जाएंगे, जैसा पहले उत्तराखण्ड में हो चुका है और वर्ष 2008 में बिहार में हो चुका है। अब उस स्थिति की पुनरावृति न हो। मैं समझता हूं कि सरकार की तरफ से इस पर स्पष्टीकरण आए कि भारत सरकार के द्वारा क्या तैयारियां हुई हैं, राज्य सरकार ने क्या रिपोर्ट दी है, लोगों के जन-धन को बचाने के लिए क्या कार्ययोजना बनाई गयी है और क्या उपाय किए गए हैं? कितने राहत शिविर बनाए गए हैं, उन राहत शिविरों में क्या व्यवस्था की गयी है? पशुओं के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं? जब यह बात संज्ञान में आ गयी है कि 25 लाख क्यूसेक पानी वहां जमा है, अगर वह पानी बिहार में आएगा, तो कितनी तबाही हो सकती है, वहां सारे 56 गेट खोल दिए गए हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। इस पर अगर सरकार की तरफ से कुछ जवाब दिया जाए, तो अच्छा होगा।

माननीय सभापति : श्री अश्विनी कुमार चौबे एवं श्री राम कृपाल यादव शून्य काल में श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करते हैं।